07-02-2019

प्रेस विज्ञप्ति

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के रेस्पाइरेटरी मेडिसिन विभाग मे आज अमेरिका के एक प्रतिनिधि मण्डल ने दौरा किया एवं वायु प्रदुषण, उससे होने वाले श्वांस के दुष्प्रभावों पर विभागाध्यक्ष, डा0 सूर्यकान्त से चर्चा की। भविष्य मे रेस्पाइरेटरी मेडिसिन, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के साथ वायु प्रदषण से होने वाली बीमारी जैसे अस्थमा, ब्रान्काइटिस, फेफड़े का कैन्सर आदि बिमारी पर शोध की सम्भावनाओं पर चर्चा हुअी। ज्ञात रहे कि अमेरिका के नार्थ केरोलिना की N C State University मे वायु प्रदूषण और अस्थमा के ऊपर एक बड़ा शोध कार्य चल रहा है। इस शोध कार्य की निर्देशिका डा0 विणा मिश्रा ने बताया कि भारत मे भी वायु प्रदुषण की गंभीर समस्या है। अतः भारतीय मूल होने के बाते उनकी भी जिम्मेदारी बनती है। कि वे भारत के लोगो के स्वास्थ्य की चिन्ता करे। डा0 सूर्यकान्त ने बताया कि भविष्य मे वायु प्रदुषण मे होने वाले दोनो संस्थानो के शोधो का आदान प्रदान किया जायेगा तथा इस क्षेत्र मे संयुक्त रूप से कार्य करने की योजना है। अमेरिका के इस प्रतिनिधि मण्डल मे डा0 वीणा मिश्रा, डा0 उमाकान्त मिश्रा, डा0 अविनाष घिरनीकर एवं डा0 सौरभ मिश्रा शामिल रहे। इस अमेरिकी प्रतिनिधि मण्डल के साथ किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के सर्जरी विभाग के पूर्व प्रोफेसर डा0 एन0एन0 महिन्द्रा भी उपस्थित थे। इस अवसर पर डा0 सूर्यकान्त ने अपनी लिखी चार पुस्तके अस्थमा, सी0ओ0पी0डी0, आई0एल0डी0 और लंग कैंसर प्रतिनिधी मण्डल को भेंट की।